

रक्षा, हरित ऊर्जा में डेनमार्क के साथ मजबूत होगी साझेदारी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शुक्रवार को भारत में डेनमार्क के राजदूत रासमस अबिल्डगार्ड क्रिस्टेंसन ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर निवेश और प्रौद्योगिकी सहयोग पर दोनों के मध्य व्यापक चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने विभिन्न क्षेत्रों में संभावित साझेदारी पर सकारात्मक विचार-विमर्श किया। सीएम योगी ने कहा कि निवेशकों के लिए पारदर्शी नीतिगत वातावरण और सुरक्षित निवेश माहौल प्रदेश प्रदान करता है।

राजदूत ने कहा कि प्रदेश की विशाल जनसंख्या, कुशल मानव संसाधन और सुदृढ़ आधारभूत संरचना इसकी प्रमुख ताकतें हैं। उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र में

मुख्यमंत्री से डेनमार्क के राजदूत ने की भेंट, प्रदेश में निवेश और तकनीकी सहयोग बढ़ाने पर चर्चा

डेनमार्क की कंपनियां निवेश और तकनीकी साझेदारी के लिए उत्सुक हैं। अपशिष्ट से ऊर्जा क्षेत्र में भी सहयोग की इच्छा जताई गई। मुख्यमंत्री ने डेनमार्क की कंपनियों को प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया।

उन्होंने स्वच्छ ऊर्जा में सहयोग की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रदेश सरकार सौर ऊर्जा, अपशिष्ट से ऊर्जा और हाइड्रोजन प्रौद्योगिकियों को प्रोत्साहित कर रही है। डेनमार्क की कंपनियां इस क्षेत्र में सक्रिय

भागीदारी कर सकती हैं।

जल प्रबंधन में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बीएचयू) के साथ नदी पुनरुद्धार परियोजना चल रही है, जिसका अवलोकन करने वह वाराणसी जाएंगे। उन्होंने कंप्रेस्ड बायोगैस सहित नवीकरणीय ऊर्जा के अन्य क्षेत्रों में भी रुचि व्यक्त की। इसके अलावा शिक्षा और कौशल विकास को भी सहयोग का महत्वपूर्ण आधार बताया।

इसके अलावा बुजुर्गों की स्वास्थ्य की देखभाल में युवाओं को भाषा प्रशिक्षण और कौशल देकर अंतरराष्ट्रीय अवसरों से जोड़ने पर भी विमर्श हुआ। कृषि प्रौद्योगिकी, खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देने पर भी चर्चा की गई। ब्यूरो